प्रधान मंत्री और लोक सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में सांसदों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की

...

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और प्रेरणा के साक्षात प्रतीक हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की परिकल्पना को युवाओं को पूर्ण करना होगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

केन्द्रीय कक्ष में नेताजी के आदर्शों के अनुसार संविधान का निर्माण किया गया था: लोक सभा अध्यक्ष

...

'Know Your Leaders' (नो यौर लीडर्स) कार्यक्रम के अंतर्गत चुने गए युवा प्रतिभागियों ने भी नेताजी को श्रद्धांजलि दी

...

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 2024: प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ,श्री ओम बिरला के नेतृत्व में सांसदों ने आज संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्रियों, राज्य सभा में विपक्ष के नेता श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश, संसद सदस्यों और पूर्व सांसदों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी.मोदी ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर संसदीय लोकतन्त्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित 'Know Your Leaders' कार्यक्रम के अंतर्गत युवा प्रतिभागियों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कई युवा प्रतिभागियों ने स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के योगदान पर अपने विचार रखे और उनके जीवन के प्रेरक आदर्शों को याद किया।

इस अवसर पर युवाओं को सम्बोधित करते हुए श्री बिरला ने राष्ट्र निर्माण में नेताजी के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भारत के पराक्रम और प्रेरणा के साक्षात प्रतीक हैं जिन्होंने अपने साहस और संगठन शक्ति से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई शक्ति प्रदान की। श्री बिरला ने आगे कहा कि नेताजी ने विपरीत परिस्थितियों में अपनी नेतृत्व शक्ति से देश की युवाशक्ति को संगठित किया जिससे औपनिवेशिक सरकार के समक्ष गंभीर चुनौती प्रस्तुत हुई।

संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष के बारे में बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि केन्द्रीय कक्ष में नेताजी के आदर्शों के अनुसार संविधान का निर्माण किया गया था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत की संकल्प से सिद्धि तक की विकास यात्रा में नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों की प्रेरणा युवाओं का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी। श्री बिरला ने यह भी कहा कि नेताजी का मार्ग साहस का मार्ग था, संघर्ष के माध्यम से बदलाव लाने का मार्ग था। आज के भारत को नेताजी के आदर्शों से सीख लेने की ज़रुरत है।

श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय युवा अपने परिश्रम, इनोवेशन, रिसर्च, टेक्नोलॉजी से विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान कालखंड भारत के मज़बूत भविष्य की नींव रखेगा। युवाओं को प्रेरित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उन्हें प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की परिकल्पना को पूरा करना होगा।